माननीय राज्यपाल श्री राम नरेश यादव का कार्पोरेट स्कूल के उदघाटन समारोह में उदबोधन

स्थान :- भोपाल दिनांक :- 23 जुलाई, 2013 समय:- प्रात: 11बजे

राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय और ई.एम.सी. के संयुक्त प्रयासों से विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित कार्पोरेट स्कूल के उद्घाटन समारोह में सम्मिलित होकर मुझे हार्दिक प्रसन्नता हो रही है। विश्वविद्यालय द्वारा छात्रों के भविष्य को लेकर किया गया यह निर्णय सराहनीय और अनुकरणीय है। इसके लिए विश्वविद्यालय के पदाधिकारी साधुवाद के पात्र हैं। इस अवसर पर मैं छात्र-छात्राओं को भी बधाई देता हूं और आशा करता हूं कि वह इसका भरपूर लाभ उठायेंगे और अपना भविष्य सुधारने के साथ-साथ प्रदेश तथा देश के विकास में भरपूर सहयोग करेंगे।

यह बहुत प्रसन्नता की बात है कि राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने प्रदेश के छात्रों को अपनी रोजगार क्षमता बढ़ाने का अवसर प्रदान किया है। इसमें समय-समय पर विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे जिनका सीधा लाभ प्रदेश के छात्रों को प्राप्त हो सकेगा। कार्पोरेट स्कूल से निकलने वाले छात्र प्रौद्योगिकी और तकनीक के क्षेत्र में उत्कृष्ट वैज्ञानिक बनकर उभरेंगे। मुझे आशा है कि यह विश्वविद्यालय इसी प्रकार अन्य क्षेत्रों में भी प्रतिष्ठित कम्पनियों से अनुबंध कर छात्र हित में और भी स्कूलों की स्थापना करेगा।

कार्पोरेट स्कूल स्थापित करने का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के छात्रों को रोजगार के बेहतर अवसर प्रदान करना है। इसके साथ ही प्रदेश के तकनीकी संस्थानों में मौजूद प्रतिभाओं का उपयोग औद्योगिक विकास के कार्य में किया जाना चाहिए। प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद छात्र शिक्षण संस्थान में न केवल उच्च गुणवत्ता की शिक्षा प्रदान कर सकेंगे तथापि यह विश्वविद्यालय अभिनव प्रयोगों के लिए एक उद्यम के रूप में कार्य कर सकेगा। मैं समझता हूं कि कार्पोरेट स्कूल द्वारा एक ऐसी नीति का निर्धारण किया जा सकेगा जिसमें उद्योग एवं शिक्षण संस्थाओं

दोनों का आपसी सामजंस्य विकसित हो सकेगा। इसके परिणामस्वरूप बेहतर मानव संसाधन के विकास को गति प्राप्त हो सकेगी।

मुझे ज्ञात हुआ है कि ईएम.सी कुछ बेहद रोजगारोन्मुखी विषयों, जिनमें अगले पांच वर्षों में पांच लाख नौकरियां छात्रों को उपलब्ध होंगी, में प्रशिक्षण देगा जो कि छात्रों के भविष्य के लिए बहुत सहायक सिद्ध होगा। इसके अलावा क्लाउड कंप्यूटिंग के क्षेत्र में जो भविष्य की तकनीक है, विशेषज्ञों द्वारा छात्रों को नवीन तकनीक का परिचय एवं प्रशिक्षण कराया जायेगा एवं उन्हें इन सभी तकनीकों में सर्टिफाइड भी किया जायेगा जिससे वे विश्व के सभी देशों के साथ प्रतिस्पर्धा में खड़े होने की क्षमता रख सकेंगे।

सबसे बड़ी और महत्वपूर्ण बात यह है कि ये सभी सुविधाएं छात्रों को बिना शुल्क के मिलेंगी और सभी वर्ग के छात्र इसका लाभ उठा सकेंगे।

मैं इस अवसर पर उद्योग जगत से जुड़े अन्य संस्थानों से आव्हान करना चाहता हूं कि वे भी इस उत्कृष्ट उद्देश्य के लिए आगे आयें और विश्वविद्यालय के साथ मिलकर इस प्रकार के और भी उपक्रम प्रारंभ करें जिससे प्रदेश की तकनीकी शिक्षा का स्तर उन्नत हो और प्रशिक्षित छात्रों का लाभ सीधे उद्योगों को कुशल प्रोफेशनल के रूप में मिल सके।

हमारा औद्योगिक क्षेत्र प्रतिस्पर्धा के दौर से गुजर रहा है। केवल शिक्षा जगत एवं उद्योगों के सम्मिलित प्रयास से ही हमारे देश का उद्योग जगत इस प्रतिस्पर्धा का सुचारू रूप से सामना कर सकेगा। विश्वविद्यालयों की ही नहीं बल्कि उद्योग जगत की भी यह जिम्मेदारी है कि वे मानव संसाधन विकास एवं नवीन उत्पादों के विकास हेतु कार्य करें।

विश्व के विकसित देश जैसे अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस आदि में विश्वविद्यालय एवं उद्योग जगत कदम से कदम मिलाकर कार्य करते हैं यही उनके विकास का कारण है ऐसी ही शुरूआत हमारे देश में भी की जाना चाहिए।

इस अवसर पर कहना चाहता हूं कि उद्योग जगत अपनी मांग और आवश्यकताओं से विश्वविद्यालय को परिचित कराये जिससे विश्वविद्यालय ऐसे तकनीकी कार्यक्रम एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर सके जिससे निकलने वाले युवा सीधे ही आपके काम आ सकें।

मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि यह विश्वविद्यालय ई.एम.सी के सहयोग से नवम्बर माह में अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित कर रहा है जिसमें अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त विद्वान सम्मिलित होने की सहमति दे चुके हैं। मैं कामना करता हूं कि यह समारोह सफलता के नए आयाम स्थापित करे और संगोष्ठी में जो चर्चाएं हों उनसे एक नऐ ज्ञान का विकास हो।

छात्रों से मैं कहना चाहता हूं कि उन्हें केवल नौकरियां करने के बारे में ही नहीं अपितु नौकरियाँ देने के बारे में वृहद विचार करने की आवश्यकता है। इसके लिए यह आवश्यक है कि छात्र अपने अंदर उद्यमिता की भावना का विकास करें और अपने चरित्र में नेतृत्व की क्षमता का विकास करें।

मेरी आप सबको हार्दिक शुभकामनाएं।

जय हिन्द।